50 Years of ICMR–NIMR

The Indian Council of Medical Research–National Institute of Malaria Research (ICMR–NIMR) is a premier institution dedicated to malaria research in India. Established in 1977 as the Malaria Research Centre under the Indian Council of Medical Research, the Institute has played a significant role in advancing scientific understanding of malaria, strengthening disease surveillance and contributing to national malaria control and elimination efforts.

Over the past five decades, ICMR–NIMR has pursued multidisciplinary research encompassing malaria epidemiology, parasite biology, mosquito vector biology, diagnostics, drug resistance, entomological surveillance, vector control and operational research. Its scientific work integrates laboratory investigations with field-based studies, translating research findings into evidence-based interventions for public health. This Golden Jubilee, represents five decades of legacy of scientific inquiry, innovation, collaboration and service to the nation.

Strengthening Malaria Diagnosis through Research & Innovation

The first stamp represents NIMR's contribution to strengthening malaria diagnosis through scientific research and innovation. The visual depicts a scientist engaged in laboratory investigation, supported by microscopic and biological representations of malaria parasites and diagnostic processes. The design symbolises the importance of accurate, timely and reliable diagnosis as a foundation of malaria control and elimination.

Malaria Vector Research : Biology, Surveillance & Control

The second stamp highlights the Institute's longstanding work on malaria vectors, the mosquitoes responsible for transmitting malaria parasites. The illustration depicts mosquito-related research, microscopy, insectary studies and field-based investigations. Understanding mosquito biology, distribution, behaviour and susceptibility to insecticides is essential for effective vector control. NIMR has conducted mosquito fauna surveys, studies on vector species and sibling species, monitoring of insecticide resistance, and laboratory and field evaluation of vector-control interventions. Research has included evaluation of insecticides, bio-larvicides and insecticide-treated bed nets.

From Community Surveys to Clinical Trials : Evidence-Based Malaria Research

The third stamp represents the field and translational dimension of NIMR's work. It portrays community-based research alongside clinical and field investigations, symbolising the movement of scientific evidence from communities and laboratories towards interventions that can be evaluated under real-world conditions. NIMR's research has included community surveys, epidemiological investigations, field evaluation of interventions and clinical trials. Its field units have served as important settings for testing new technologies and translating research findings into public-health applications. The Institute has also contributed to evaluation of antimalarial drugs, diagnostic tools, insecticides and other interventions.

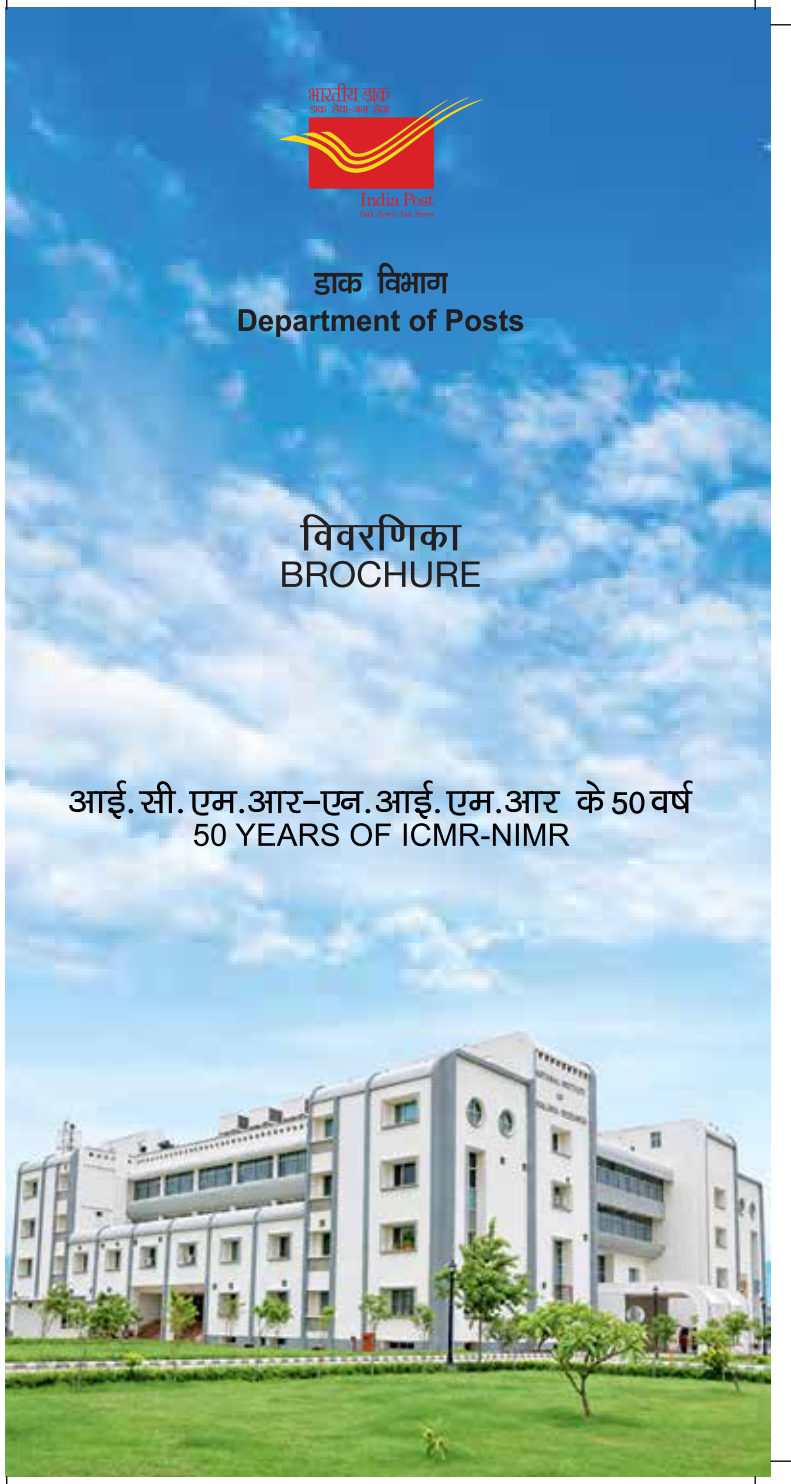
From Genomics to AI : Cutting-Edge Malaria Research

The fourth stamp represents the evolution of malaria research into the era of genomics, molecular biology, bioinformatics, advanced data analysis and artificial intelligence. The visual combines genomic structures, laboratory research, computational analysis and field information to portray the integration of biological and digital sciences. NIMR has undertaken research on genetic and molecular markers of malaria parasites and vectors, molecular identification of mosquito species, parasite genetic diversity and vector genomics. Contemporary research at the Institute continues to integrate molecular and computational approaches to understand malaria transmission, resistance and disease biology.

Department of posts is pleased to issue a Souvenir Sheet on the issue of Commemorative Postage stamp on 50 years of ICMR-NIMR. This philatelic issue recognises five decades of the Institute's dedicated contributions to malaria research, prevention and control in India. It highlights the contribution of the scientists, researchers and healthcare professionals whose efforts have strengthened the country's fight against malaria and other vector-borne diseases.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Sh. Suresh Kumar
Text	:	Based on the content provided by the proponent.



आई.सी.एम.आर–एन.आई.एम.आर के 50 वर्ष

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान भारत में मलेरिया अनुसंधान के क्षेत्र में समर्पित एक प्रमुख वैज्ञानिक संस्थान है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अंतर्गत वर्ष 1977 में मलेरिया अनुसंधान केंद्र के रूप में स्थापित इस संस्थान ने मलेरिया के संबंध में वैज्ञानिक समझ विकसित करने, रोग निगरानी को सुदृढ़ बनाने तथा देश में मलेरिया नियंत्रण एवं उन्मूलन के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पिछले पाँच दशकों में संस्थान ने मलेरिया महामारी विज्ञान, परजीवी जीवविज्ञान, मच्छर रोगवाहक जीवविज्ञान, निदान, औषधि प्रतिरोध, कीट–विज्ञान संबंधी निगरानी, रोगवाहक नियंत्रण तथा परिचालन अनुसंधान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बहुआयामी अनुसंधान किया है। प्रयोगशाला आधारित अनुसंधान को क्षेत्रीय अध्ययनों से जोड़ते हुए यह संस्थान वैज्ञानिक निष्कर्षों को जनस्वास्थ्य के लिए उपयोगी एवं साक्ष्य–आधारित उपायों में परिवर्तित करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है। संस्थान का यह स्वर्ण जयंती उत्सव वैज्ञानिक खोज, नवाचार, समन्वय और राष्ट्रसेवा की पाँच दशकों की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है।

अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से मलेरिया की बेहतर जाँच

पहले डाक टिकट में, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से मलेरिया निदान प्रक्रिया को बेहतर बनाने में एनआईएमआर के योगदान को दर्शाया गया है। इसमें एक वैज्ञानिक को प्रयोगशाला में अनुसंधान करते हुए दिखाया गया है, जिसके साथ सूक्ष्मदर्शीय एवं जैविक चित्रणों के माध्यम से मलेरिया परजीवियों तथा निदान से संबंधित प्रक्रियाओं को प्रदर्शित किया गया है। यह डिजाइन मलेरिया के प्रभावी नियंत्रण एवं उन्मूलन के लिए सटीक, समयबद्ध और विश्वसनीय निदान के महत्व को रेखांकित करता है।

मलेरिया वाहक (वेक्टर) पर अनुसंधान : जैविकी, निगरानी और नियंत्रण

दूसरा डाक टिकट मलेरिया के वेक्टर अर्थात मलेरिया परजीवियों को प्रसारित करने वाले मच्छरों के संबंध में संस्थान के दीर्घकालिक अनुसंधान को दर्शाता है। इसमें मच्छरों से संबंधित अनुसंधान, सूक्ष्मदर्शीय अध्ययन, कीट–पोषणशाला (इन्सेक्टरी) में किए जाने वाले अध्ययन तथा क्षेत्र–आधारित अनुसंधान को प्रदर्शित किया गया है। प्रभावी वेक्टर नियंत्रण के लिए मच्छरों के जीवविज्ञान, प्रसार, व्यवहार तथा कीटनाशकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। एनआईएमआर ने मच्छर प्रजातियों के सर्वेक्षण, वेक्टर एवं सिबलिंग प्रजातियों के अध्ययन, कीटनाशक प्रतिरोध की निगरानी तथा वेक्टर नियंत्रण उपायों का प्रयोगशाला एवं क्षेत्रीय स्तर पर मूल्यांकन किया है। इन अनुसंधानों में कीटनाशकों, जैव–लार्वीसाइड्स तथा कीटनाशक–संसेचित मच्छरदानियों का मूल्यांकन भी शामिल रहा है।

सामुदायिक सर्वेक्षण से क्लिनिकल परीक्षण तक : साक्ष्य–आधारित मलेरिया अनुसंधान

तीसरे डाक टिकट में, एनआईएमआर के क्षेत्र–आधारित एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान को दर्शाया गया है। इसमें सामुदायिक अनुसंधान के साथ–साथ क्लिनिकल एवं क्षेत्रीय अध्ययनों को प्रदर्शित किया गया है। यह समुदायों और प्रयोगशालाओं से प्राप्त वैज्ञानिक साक्ष्यों को वास्तविक परिस्थितियों में विभिन्न हस्तक्षेपों के मूल्यांकन तक ले जाने की प्रक्रिया का प्रतीक है।

एनआईएमआर के अनुसंधान में सामुदायिक सर्वेक्षण, महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन, विभिन्न हस्तक्षेपों का क्षेत्रीय मूल्यांकन तथा क्लिनिकल परीक्षण शामिल रहे हैं। संस्थान की क्षेत्रीय इकाइयों ने नई तकनीकों के परीक्षण तथा अनुसंधान निष्कर्षों को सार्वजनिक स्वास्थ्य हेतु अनुप्रयोग में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान ने मलेरिया–रोधी दवाओं, निदान संबंधी उपकरणों, कीटनाशकों तथा अन्य मलेरिया नियंत्रण उपायों के मूल्यांकन में भी योगदान दिया है।

जीनोमिक्स से एआई तक : अत्याधुनिक, मलेरिया अनुसंधान

चौथा डाक टिकट, मलेरिया अनुसंधान के जीनोमिक्स, आणविक जीवविज्ञान, जैव–सूचना विज्ञान, उन्नत डेटा विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश को दर्शाता है। इसमें जीनोमिक संरचनाओं, प्रयोगशाला अनुसंधान, कंप्यूटेशनल विश्लेषण तथा क्षेत्रीय आंकड़ों को एक साथ प्रस्तुत किया गया है, जो जैविक एवं डिजिटल विज्ञान के एकीकरण को दर्शाता है। एनआईएमआर ने मलेरिया परजीवियों एवं वेक्टरों के आनुवंशिक एवं आणविक सूचकों, मच्छर प्रजातियों की आणविक पहचान, मलेरिया परजीवियों की आनुवंशिक विविधता तथा वेक्टर जीनोमिक्स के क्षेत्र में अनुसंधान किया है। संस्थान में आधुनिक अनुसंधान के अंतर्गत मलेरिया के संचरण, प्रतिरोध एवं रोग–जीवविज्ञान को बेहतर ढंग से समझने के लिए आणविक एवं कंप्यूटेशनल तकनीकों का निरंतर उपयोग किया जा रहा है।

डाक विभाग, आईसीएमआर–एनआईएमआर के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सोविनियर शीट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है। यह सोविनियर शीट भारत में मलेरिया अनुसंधान, निवारण और नियंत्रण के क्षेत्र में इस संस्थान के पाँच दशकों के समर्पित योगदान को प्रतिबिंबित करती है। यह उन वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और स्वास्थ्य पेशेवरों के योगदान को भी रेखांकित करती है, जिनके प्रयासों से मलेरिया और अन्य वेक्टर–जनित (कीट–जनित) बीमारियों के खिलाफ देश की लड़ाई को मजबूती मिली है।

आभार:

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका
विरूपण कैशे : श्री सुरेश कुमार
पाठ : प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री पर आधारित

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

डाक टिकट मूल्य वर्ग	:	500 पैसे (4)
Stamp Denomination	:	500 p (4)
मुद्रित सोवनियिर शीट मूल्य	:	2000 पैसे
Souvenir Sheet Denomination	:	2000 P
मुद्रित सोवनियिर शीट्स	:	212350
Souvenir Sheets Printed	:	212350
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00